AI -1416

M. A. (Previous)

Term End Examination, 2020-21

HINDI

Paper-First

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

Minimum Marks : 36

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पदों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 3×10=30

(क) माधव कि कहत, सुन्दरि रूपे।

कतन जतन विधि आनि समारल, देखत नयन सरूपे॥

पल्लव राज चरण युग शोभित, गति गजराजे माने।

कनक कदलि पर सिंह सभारल, ता पर मेरू समाने॥

मेरू ऊपर दुई कमल फुलाएल, नाल रुचि पाई।

मनिमय हार धार बहु सुरसरि, तेनहि कमल सुखाई॥

(ख) काहे री नलिनी तूँ कुम्हिंलानी।

तेरे ही नालि सरोवर पानी।

जल में उतपति जल में वास, जल में नलनी तोर निवास।

ना तलि तपति न ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासनि लागि।

कहै कबीर जे उदिक समान, ते नहिं मुए हमारे जान।

(ग) चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा, साजा बिरह दुंद दल बाजा॥

धूम, साम, धौरे घन धाये। सेत धजा बग पांति देखाए॥

खड्ग बिज्जु चमके चहुँ ओरा। बूंद बान बरसहिं घनघोरा॥

ओनई घटा आइ चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी॥

दादुर, मोर, कोकिला, पीऊ गिरै बीजू, घर रहैन जीऊ॥

पुष्प नखत सिर ऊपर आवा, हहौं बिनु नाह, मंदिर को छाँवा॥

(घ) ऊधो मन न भये दस बीस।

एक हुतो सो गयो श्याम संग, को आराधे ईस॥

इन्द्री शिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस॥

आसा लागि रहति तन, जीवहिं कोटि बरीस॥

तुम तो सखा श्याम सुंदर के, सकल जोग के ईस॥

सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस॥

(ङ) सुनहु पवनसुत रहनि हमारी। जिमि दसनन्हि महुँ जीभ बिचारी॥

तात कबहुँ मोहि जानि अनाथा। करिहहिं कृपा भानुकूल नाथा॥

तामस तनु कछु साधन नाहीं। प्रीति न पद सरोज मन माहीं॥

अब मोहि भा भरोस हनुमंता। बिनु हरिकृपा मिलहिं न संता॥

जौ रघुबीर अनुग्रह कीन्हा। तौ तुम्ह मोहि दरसु हठि दीन्हा।

सुनहु विभीषन प्रभु कै रीति। करहिं सदा सेवक पर प्रीती॥

कहहु कवन मैं परम कुलीना। कपि चंचल सबहिं विधि हीना॥

प्रात लेइ जो नाम हमारा। तेहि दिन ताहि न मिलै सहारा॥

अस मैं अधम सखा सुनु, मोहु पर रघुबीर।

कीन्हीं कृपा सुमिरि गुन, भरे विलोचन नीर॥

(च) कहत सबै बेंदी दिये, आँक दसगुनो होत।

तिय लिलार बेंदी दिये, अगनित बढ़त उदोत॥

नेह न नैननु कौ कछु, उपजी बड़ी बलाई।

नीर भरे नित प्रति रहैं, तऊ न प्यास बुझाइ॥

2\. ''विद्यापति प्रेम एवम् सौंदर्य के अप्रतिम कवि हैं।'' इस कथन पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए। 15

अथवा

''कबीर प्रकृति से क्रांतिकारी, स्वभाव से समाज सुधारक और अनुभूति से कवि थे।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''नागमती वियोग खण्ड'' का साहित्यिक मूल्यांकन कीजिए।

3. ''सूर के 'भ्रमरगीत' में वियोग की अन्तर्दशाओं के प्रायः सभी रूप विद्यमान हैं।'' इस कथन की उदाहरण सहित विवेचना प्रस्तुत कीजिए। 15

अथवा

तुलसी के समन्वयवाद पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

''बिहारी के काव्य-कौशल'' पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 4×5=20

(क) अमीर खुसरो की भाषा

(ख) नंददास का साहित्यिक परिचय

(ग) मीरा के गीत

(घ) केशव का आचार्यत्व

(ङ) भूषण की काव्यकला

(च) पद्माकर का काव्य-वैभव

(छ) रहीम काव्य का साहित्यिक मूल्य

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दस के अति लघु उत्तर दीजिए- 10×2=20

(क) विद्यापति की काव्य-भाषा का नाम लिखिए।

(ख) तुलसीदास की दो प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(ग) सूफी काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि का नाम लिखिए।

(घ) संत काव्यधारा के दो कवियों के नाम लिखिए।

(ङ) विद्यापित की प्रमुख रचना का नाम लिखिए।

(च) 'पद्मावत' ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया है?

(छ) 'पुष्टि मार्ग का जहाज' किसे कहा जाता है?

(ज) किस काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग माना जाता है?

(झ) रहिम के किसी दोहे का उदाहरण दीजिए।

(ञ) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(ट) भूषण किस रस के प्रधान कवि हैं?

(ठ) रसखान के आराध्य कौन हैं?

(ड) केशवदास किस काल के कवि हैं?

(ढ) ''वनन में बागन में बगरयों बसन्त है।'' इस पंक्ति के रचनाकार कौन हैं?

(ण) रीतिकाल की रीतिसिद्ध धारा के प्रतिनिधि कवि का नाम लिखिए।